से क्रमश. 88 लाख और 177 लाख व्यक्ति प्रभावित हुये थे।

(ख) से (घ) : वांछित जानकारी दर्शाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(ख) रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अक्तूबर, 1982 से मार्च, 1983 के दौरान मध्य प्रदेश और राजस्थान को क्रमशः 27.00 करोड़ रुपए और 11.87 करोड़ रुपए की धनराशि अप्रैल से जून, 1983 की अवधि के लिये मध्य प्रदेश और राजस्थान को क्रमशः 17·62 करोड़ रुपए और 19.09 करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर की गई है।

(ग) और (घ) : जी, नहीं। सूखे से प्रभावित राज्यों को केन्द्रीय सहायता उपलब्ध कराने के मापदण्ड वही हैं। केन्द्रीय सहायता की मात्रा केन्द्रीय दल द्वारा कुछ प्रभावित राज्यों का दौरा करने, राज्य सरकारों के साथ विचार विमर्श करने के पश्चात किये गये मूल्यांकन तथा सिफारिशों और गत सूखे के दौरान तदनुरूपी अवधि के लिए उपलब्ध मुख्य सूचकों को ध्यान में रखकर राहत संबंधी उच्च स्तरीय समिति द्वारा की गई सिफारिश पर आधारित होती है।

Compensation to Farmers of H.P. for Loss of Crops due to Hailstorm

*18. PROF. NARAIN CHAND PARASHAR : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government of Himachal Pradesh and the elected representatives of the people have requested the Government of India for quick and adequate relief and compensation to the farmers for heavy damage to crops by hailstorm and untimely rains in 1983 ;

(b) if so, the action taken by Government in this regard and the extent of relief sanctioned on this score ; and

(c) if not, the likely date by which this would be done and the reasons for delay ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARIF MOHAMMAD KHAN) : (a) Yes, Sir. A Memorandum from the Government of Himachal Pradesh seeking Central assistance of Rs. 35 crores was received on Ist June, 1983.

(b) and (c). Central Team visited Himachal Pradesh between 27th June—Ist July, 1983 to make an on the spot assessment of the situation and its report is awaited.

पंजाब और हरियाणा में क्षतिग्रस्त गेहूं

*19. **श्री रघुनाथ सिंह वर्मा :**
श्री शिव शरण वर्मा :

क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि पंजाब और हरियाणा की विभिन्न मंडियों में 20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का गेहूं खुले में पड़े रहने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है;

(ख) यदि हां, तो भारतीय खाद्य निगम के दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है और तत्सम्बन्धी पूर्ण ब्यौरा क्या है; और

(ग) गेहूं की बोरियों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गये हैं ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) भारतीय खाद्य निगम द्वारा वसूल किया गया और मंडियों में पड़ा हुआ कोई गेहूं क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) गेहूं के स्टाक या तो ढके हुए गोदामों में अथवा उचित ढंग से सुरक्षित रख कर और प्लिंथ भंडारों (कैंप) में खुले स्थानों पर रखे जा रहे हैं।

राजस्थान में गेहूं और चने की खरीद

*20. **श्री कृष्ण कुमार गोयल :** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री** निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार ने राजस्थान में 1983 में कितनी मात्रा में गेहूं और चने की समर्थन मूल्य पर खरीद की;

(ख) खरीद की अवधि का ब्यौरा क्या है और किस तन्त्र के जरिए इसकी खरीद की गई;

(ग) कोटा, बूंदी और झालावाड़ से पृथक-पृथक, कितनी मात्रा में गेहूं और चने की समर्थन मूल्य पर खरीद की गई; और

(घ) खुले बाजार से बाजार मूल्य पर कितनी मात्रा में गेहूं और चने की खरीद की गई ओर प्रत्येक राज्य का पृथक-पृथक ब्यौरा क्या है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) (क) और (ख) : रबी विपणन मौसम 1983-84 (अप्रैल-मार्च) के दौरान, भारतीय खाद्य निगम और उसकी दो उप-एजेंसियों अर्थात् राजस्थान राज्य भाण्डागार निगम और राजस्थान राज्य क्रय-विक्रय सहकारी संघ ने राजस्थान में 8 जुलाई, 1983 तक केन्द्रीय खाते पर समर्थन मूल्य पर 1.77 लाख मीटरी टन गेहूं खरीदा है। समर्थन मूल्य पर कोई चना नहीं खरीदा गया है।

(ग) अपेक्षित सूचना नीचे दी जाती है :—

जिला	वसूल की गई मात्रा (मी० टन में)	
	गेहूं	चना
कोटा	3.5	शून्य
बूंदी	380.0	शून्य
झालावाड़	शून्य	शून्य

(घ) बजार भाव पर कोई गेहूं नहीं खरीदा गया है। तथापि, मामूली मात्रा में चने की वाणिज्यिक आधार पर खरीदारी की गई है जिसका ब्यौरा नीचे दिया जाता है :

राज्य	खरीदी गई मात्रा (मी० टन)
राजस्थान	1,555
हरियाणा	848

विद्युत की कमी के कारण राउरकेला इस्पात संयंत्र में संकट

*24. **श्री भीम सिंह :**
प्रो० अजित कुमार मेहता :

क्या **ऊर्जा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विद्युत की कमी के कारण राउरकेला इस्पात संयंत्र में एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं; और

(ग) इस संयंत्र को कुल कितनी बिजली की आवश्यकता है और संयंत्र को इस समय विद्युत की कितनी आपूर्ति की जा रही है ?